प्रकाशित अगस्त 27,2013

दि टाइम्स ऑफ इंडिया के आलेख के जवाब में: "टकसालों में नहीं छपने वाले लाखों नोट भारतीय रिज़र्व बैंक की वॉल्टों में पहुंच रहे हैं"

RESERVE BANK OF INDIA

दि टाइम्स ऑफ इंडिया ने 4 अगस्त 2013 को में एक समाचार छापा गया कि "टकसालों में नहीं छपने वाले लाखों नोट भारतीय रिज़र्व बैंक की वॉल्टों में पहुंच रहे हैं"। यह न्यूज़ रिपोर्ट वर्ष 1999-2000 से 2010-11 की अवधि के दौरान क्रमशः छापे गए नोटों और प्राप्त नोटों/आपूर्ति किए गए नोटों पर सूचना के अधिकार के अंतर्गत करेंसी नोट मुद्रण प्रेसों और भारतीय रिज़र्व बैंक से प्राप्त जानकारी पर आधारित

इस आलेख में प्रकाशित किए गए आंकड़ों में अनेक विसंगतियां हैं जिनके परिणामस्वरूप रिपोर्टर द्वारा गलत निष्कर्ष निकाला गया है।

समाचार पत्र इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि टकसालों में नहीं छापे गए नोट भारतीय रिज़र्व बैंक में पहुंच रहे है, इस समाचार का आधार वे आंकड़े हैं जिन्हें तालिका 1 में दिया गया है जिसे इस आलेख के साथ प्रकाशित किया गया है।

तालिका 1

रु. 500

(संख्या मिलियन में)

वर्ष/प्रेस में उत्पादन	नाशिक	देवास	बी.आर.बी.एन.एम.पी.एल	कुल	आरबीआई को की गई आपूर्ति	अंतर
1	2	3	4	5	6	7
1999-00	8.567	35	लागू नहीं	43.567	41	2.567
2000-01	108.869	100	97	305.869	293	12 (15.436 मार्गस्थ)
2001-02	71.043	78	397	546.043	551	4.957 (10.479 मार्गस्थ)
2002-03	111.451	76.464	434	621.915	615	6.915 (17.394 मार्गस्थ)
2003-04	117.37	48.536	987	1152.906	1168	15.094 (2.3 मार्गस्थ)
2004-05	121.46	79	1071	1271.46	1252	19.46 (21.76 मार्गस्थ)
2005-06	185.101	49	416	650.101	661	10.899 (10.861 मार्गस्थ)
2006-07	293.163	101.72	1071	1465.883	1473	7.117
2007-08	259.536	216.312	1398	1873.848	1805	68.848
2008-09	971.24	90.96	2335	3397.21	3459	61.78 (10.80 मार्गस्थ)
2009-10	970.11	447.21	2600	4017.32	4008	9.327 (20.13 मार्गस्थ)
2010-11	870.24	349.66	2550	3769.91	4130	360.08 (20.13 मार्गस्थ)

रु.1000 (लाखों में संख्या)						
वर्ष/प्रेस में उत्पादन	नाशिक	देवास	बीआरबीएनएमपीएल	कुल	आरबीआई को की गई आपूर्ति	अंतर
1999-00	0	0	0	0	0	0
2000-01	0	0	114	114	114	0 (मिलान)
2001-02	43.033	0	4	47.033	40	7.033 (मार्गस्थ)
2002-03	70.967	0	100	170.967	178	7.033
2003-04	82	0	131	213	209	4 (मार्गस्थ)
2004-05	0.3	0	253	253.3	257	3.7 (0.3 मार्गस्थ)
2005-06	0	0	130	130	130	0 (मिलान किंतु 0.3 मिलियन नोट मार्गस्थ हैं)
2006-07	102.342	0	489	591.342	598	6.658 (प्राप्त किए गए नोटों का आधिक्य)
2007-08	185.868	0	549	734.868	699	35.868 (मार्गस्थ)
2008-09	117.36	0	614	731.36	763	31.63 (4.23 मार्गस्थ)
2009-10	318.61	0	701	1019.61	1007	12.61 (16.85 मार्गस्थ)
2010-11	177.80	0	269	446.80	467	20.19 (16.85 मार्गस्थ)

इस तालिका में,

कॉलम 6 में दिए गए आंकड़े जो वर्ष 2006-07 में रु.1000 के नोट के 598 मिलियन नोट दर्शाते हैं, वे गलत हैं। सही आंकड़ा 589 मिलियन नोट (भारतीय रिज़र्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट, 2006-07) हैं।

कॉलम 6 में दिए गए आंकड़े जो वर्ष 2006-07 में रु.1000 के नोट के 598 मिलियन नोट दर्शाते हैं, वे गलत हैं। सही आंकड़ा 589 मिलियन नोट (भारतीय रिज़र्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट, 2006-07) हैं।

वर्ष 2010-11 के लिए इस रिपोर्ट ने रिज़र्व बैंक और बीआरबीएनएमपीएल के आंकड़ों को 12 महीनों (अप्रैल-मार्च) के लिए उपयोग किया है जबकि भारतीय प्रतिभूति मुद्रण और टकसाल निगम लिमिटेड (एसपीएमसीआईएल) नौ महीनों (अप्रैल-दिसंबर) के लिए उपयोग करता है।

फ्लॉटिंग स्टॉक में बदलाव प्रेसों में रखा गया है।

इसके अतिरिक्त एक और नोट करने लायक बात यह है कि अन्य किसी उत्पादन प्रक्रिया की भांति करेंसी नोटों के मुद्रण में भी उत्पादन किए जाने वाले बैंकनोटों का स्टॉक और प्रवाह, दोनों होते हैं, तथा अन्य किसी उत्पादन पेशे की भांति बैंकनोट की मुद्रण प्रक्रिया में भी ऐसे बैंकनोटों की कुछ मात्रा होती है जिनका प्रवाह वर्षों तक रहता है।

जब इन सभी कारकों पर विचार किया जाता है तो आरोपित अंतरों का समाधान हो जाता है।

6 अगस्त 2013 को अपने संस्करण में हुई त्रुटि पर खेद प्रकट करते हुए दि टाइम्स ऑफ इंडिया ने आरटीआई आवेदक को उपलब्ध कराए गए बीआरबीएनएमपीएल के आंकड़ों की सत्यनिष्ठा पर अन्य सवाल

उठाया जिसमें दो समान प्रश्नों के जवाब में उपलब्ध कराई गई संख्या के बीच विसंगति के बारे में बताया गया। आंकड़े नीचेतालिका IIमें दिए गए हैं:

तालिका II

आरटीआई के तहत करेंसी प्रेसों की भिन्न नोट संख्या

	वर्ष	रु.1000 मूल्यवर्ग		रु. 500 मूल्यवर्ग	
भारतीय रिज़र्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड, जो भारतीय रिज़र्व बैंक की एक सहायक संस्था है, ने अपने करेंसी नोट उत्पादन के बारे में आरटीआई में पूछे गए दो समान प्रश्नों के जवाब में दो भिन्न संख्याएं उपलब्ध कराई 1000 रुपए के नोटों में 9.69 मिलियन नोटों का अंतर हैं और 500 रुपए के नोटों में 72.782 मिलियन नोटों का अंतर है (संख्या मिलियन में)		नवंबर 2011	दिसंबर 2011	नवंबर 2011	दिसंबर 2011
	2000-01	115	114	104	97
	2001-02	3.17	4	419.156	397
	2002-03	100	100	409.964	434
	2003-04	134	131	1006.372	987
	2004-05	272.75	253	1069.548	1071
	2005-06	117.534	130	427.052	416
	2006-07	506.866	489	1095.948	1071
	2007-08	561.496	549	1562.324	1398
	2008-09	594.53	614	2211.175	2335
	2009-10	689.344	701	2573.243	2600
	Total	3094.69	3085	10878.78	10806

तथापि,तालिका II के आधार पर बीआरबीएनएमपीएल के आंकड़ों की सत्यनिष्ठा पर उठाया गया प्रश्न भी गलत है। बीआरबीएनएमपीएल के अनुसार:

तालिका में दर्शाए गए दो भिन्न तारीखों से संबंधित आंकड़ों के ब्यौरे दो भिन्न-भिन्न प्रश्नों के लिए थे।

नवंबर 2011 को दिया गया जवाब "रु.1000 और रु. 500 के मुद्रण की तारीख से प्रत्येक वर्ष मुद्रित किए गए रु. 1000 और रु. 500 के नोटों के ब्यौरे देना" प्रश्न के लिए था। तदनुसार, बीआरबीएनएमपीएल ने अपनी प्रेसों में मुद्रित नोटों से संबंधित आंकड़े उपलब्ध कराए।

दिसंबर 2011 में दिया गया जवाब "बीआरबीएनएमपीएल ने 1947 से दिसंबर 2010 तक भारतीय रिज़र्व बैंक के आदेश के अनुसार कितने भारतीय करेंसी नोटों का मुद्रण किया"। तदनुसार, बीआरबीएनएमपीएल ने रिज़र्व बैंक की मांग के अनुसार भारतीय रिज़र्व बैंक को आपूर्ति किए गए नोटों से संबंधित आंकड़े उपलब्ध कराए।